

साँवन पुं. (देश.) मँझोले आकार का एक प्रकार का पहाड़ी पेड़ जिसका गोंद औषधि के रूप में काम आता है, कहते हैं कि यह गोंद मछली के लिए बहुत घातक होता है पुं. सावन (महीना)।

साँवर पुं. (तद्.) 1. राह खर्च 2. साँभर मृग, एक प्रकार का हिरन जिसका चर्म कोमल होता है 3. साँभर नमक।

साँवर वि. (तद्.) साँवला, साँवरा।

साँवरकन पुं. (तद्.) ऐसा सफेद घोड़ा जिसके कान काले हों श्यामकर्ण घोड़ा।

साँवरा वि. (तद्.) श्यामल रंग का, साँवला।

साँवलताई स्त्री. (तद्.) साँवलापन, रंग का साँवला होने की अवस्था, गुण, भाव।

साँवला वि. (तद्.) जिसके शरीर का रंग अधिक काला न हो, श्यामल रंग का पुं. 1. वासुदेव कृष्ण, श्याम 2. पति, प्रेम।

साँवलापन पुं. (तद्.) रंग का साँवला होने की अवस्था, गुण, भाव, श्यामलता।

साँवलिया वि. (तद्.) श्याम रंग का पुं. कृष्ण, पति, प्रेमी।

साँवाँ पुं. (तद्.) 'कंगनी' नामक एक अनाज टि. 'साँवाँ' को कहीं-कहीं 'चेना' भी कहा जाता है।

साँस स्त्री. (तद्.) नाक या मुँह से अंदर खींची जाने वाली और बाहर निकाली जाने वाली हवा, श्वास, प्राणवायु, गुंजाइश, फुरसत, दमा, हवा निकलने का छेद मुहा. साँस अंदर की अंदर और बाहर की बाहर रह जाना- भय से स्तब्ध रह जाना, साँस उखड़ना- साँस लेने की क्रिया के बीच कुछ क्षण का गतिरोध, दमे के रोग का दौरा पड़ना, साँस उखड़ना- साँस रुक जाना; साँस उल्टी चलना- मरणासन्न होना, साँस ऊपर-नीचे होना- साँस रुकना, बहुत व्यस्त होना, तबीयत घबराना, साँस खींचना- जोर से साँस लेना, कुछ देर के लिए साँस रोकना, दम साधना; साँस गिनना- मृत्यु की प्रतीक्षा करना, साँस ऊपर को चढ़ना- आसन्न मृत्यु होना, साँस चलना- जिंदा

होना, साँस टूटना- साँस का नियमित रूप से न चलना; साँस फूलना- दम चढ़ जाना, हाँफना; साँस लेने की फुरसत नहीं- थोड़ा भी अवकाश न होना, गहरी/ठंडी/लंबी साँस लेना- चिंताग्रस्त होना; साँस रुकना- पूर्ण एकाग्रता से, बिना किसी प्रतिवाद के, चुपचाप, एकबारगी, एक झटके में, साँस सीने में अड़ना- साँस रुकना, मरणासन्न होना।

साँसत स्त्री. (तद्.) साँस रुकने जैसी तकलीफ, यंत्रणा, बहुत बड़ा कष्ट, बखेड़ा, कड़ी शारीरिक सजा, यातना, दम घुटने का सा कष्ट।

साँसत घर पुं. (तद्.) कालकोठरी टि. कारागार की अंधेरी, छोटी, कम हवा वाली तनहा तंग कोठरी, जिसमें एकांतवास का दंड पाए कैदी को अलग रखा जाता है।

साँसना स.क्रि. (तद्.) शासन करना, दंड देना, पीड़ा देना।

साँसरना स.क्रि. (तद्.) कष्ट देना, दंड देना।

साँसल पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का कंबल 2. खेतों में बीज बोना।

साँसा पुं. (तद्.) 1. श्वास, साँस 2. जीवन, जिंदगी उदा. जब तक साँस, तब तक आशा, संदेह, शक उदा. सतगुरु मिलिया साँसा भाग्या, सैन बताई साँची-मीरा 4. भय, डर, अंदेशा 5. सोच-विचार।

साँसी पुं. (देश.) एक जंगली यायावर जनजाति।

साँहि पुं. (तद्.) स्वामी, मालिक, प्रभु, संरक्षक उदा. साँहिं नाहिं जग बात को पूछा -जायसी।

सा अव्य. (तद्.) 1. सदृश, समान, जैसा, तुल्य उदा. चंद्र सा मुखमंडल 2. किसी भी तरह या प्रकार का बहुत कुछ मिलता-जुलता उदा. बच्चों की सी बातें 3. सादृश्य होने पर भी किसी प्रकार की आंशिक अल्पता, न्यूनता या हीनता का भाव सूचित करने के लिए उदा. उसे देखकर मुझे हँसी सी आने लगी 4. अवधारणा या निश्चय सूचित करने के लिए उदा. तुम्हें कौन सी मिठाई चाहिए 5. किसी अनिश्चित मात्रा या मान पर जोर देने के लिए उदा. जरा सी चाय 6. पूरा-पूरा न होने